

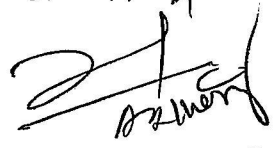





FORM NO. III

फर्द अहकाम
(नियम-26)

अज अदालत अतिरिक्त जिला कलेक्टर, बालोतरा बमुकाम बालोतरा
 अमराराम बनाम रमेश कुमार व अन्य
 किस्म मुकदमा नं. 02/सन् 2024
 अपील अन्तर्गत धारा 225 रा.का.अधि. 1955

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
08.4.24	<p>अपीलान्ट के वकील श्री अचलाराम थोरी उपस्थित। अपीलान्ट की ओर से यह अपील धारा 225, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के अन्तर्गत तहसीलदार गिड़ा द्वारा प्रारित आदेश दिनांक 10.12.2010 के विरुद्ध इस न्यायालय में पेश की गई है। अपील के संलग्न धारा 5 मयाद अधिनियम के तहत प्रार्थना-पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत कर अपील प्रस्तुत करने में हुए विलम्ब को क्षमा करने का निवेदन किया है। अपीलान्ट की अपील मयाद पर निर्णय सुरक्षित रखते हुए दर्ज रजिस्टर हों। उतरदातागण जरिये नोटिस तलब हों एवं अपीलाधीन मूल अभिलेख मंगवाया जावें। मत्रावली वास्ते तलबी उतरदाता एवं अपीलाधीन अभिलेख आईदा दिनांक 22.5.24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  जिला कलेक्टर बालोतरा </p> <p>अपीलान्ट के अधिवक्ता उपस्थित। रेकपो. सं. 01 से 03 व 05 के अधिवक्ता इति रमेश कुमार के अकालम नाम पेश किया, अधिवक्ता अपीलान्ट के रेकपो. की तलबी हेतु जारी नोटिस की तामिली पेश की, जो शामिल मिसल है।</p> <p>प्रकारानु अपीलान्ट व रेकपो. सं. 01 से 03 व 05 के आपसी राजनिाम पेश किया, राजनिाम कदमोंच तस्दीक कर शामिल मिसल किया, प्रकारण में रेकपो. सं. 4 प्रकार पडाकार होने से तामिली पचाण जानी जाती है।</p> <p style="text-align: center;">  आतेरिक्त जिला कलेक्टर बालोतरा </p>	<p>अंतरा 21/24</p> <p style="text-align: center;">  रमेश कुमार </p> <p style="text-align: center;">  महेन्द्रकुमार </p> <p style="text-align: center;">  रमेश कुमार </p>

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>पक्षकारान ने आपकी राजीनामा प्रस्तुत कर निवेदन किया कि जब आपकी सहमति से बैलवार का प्रार्थना अर्थानरूप उपराहशीलदार गिड़ा के समक्ष प्रस्तुत किया जा कि मौके पर जितल प्रकार पक्षकारान का कहना है ठकी अशुभार बैलवार किया जा रहा है, पक्षकारान के शासिक तबके के हिमसे पहना लिपने की जायदारी न होने के प्रकाशन जौके के श्रेय अन्वितान में परजति ने जो जगती सकशा बनाया इस पर सही मायदर हस्ताक्षर किये थे जबकि वह अशुरी जायदारी होने के किये गये। मौके पर बने रहवासीय जौक व पनिक के छोड़ और आवधान का रास्ता भी नहीं मिल रहा है। इसलिय सहमति विभागन अदेश दिनांक 10.12.2010 निरस्त किया जाके।</p> <p>उभय पक्षकारान को सुना जाया, पठावली व राजीनामे का अंशोदन किया जाया। बाद और अपील अपीलार् अन्दर प्रवाद सुनाए की जाती है। पक्षकारान की शर्त से प्रस्तुत आपकी राजीनामा के आधार पर अपील स्थिकार अर्थानरूप उपराहशीलदार गिड़ा डाल सजसक शासक सन्तल घटवार हलका सन्तल के अ.क. 159 रकबा 52.05 बीघा के 'संवेयके' सहमति विभागन अदेश दिनांक 10.12.2010 को निरस्त कर</p>	
	<p style="text-align: center;">  आदेशित जिला कलेक्टर बालोतरा </p>	<p style="text-align: right;">(जगाना)</p>

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही का विवरण	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>पक्षकार सहस्रमिलियन जिन्दा को इस निर्देश के साथ अभिप्रेषित (रिफाई) कर शर्तिया दिव्य जाता है कि राजस्व राफ्त परमान एक लोपली के ख.सं. 272/159 रकबा 2.8166 हेक्टेयर, खं.सं. 159 रकबा 5.8413 हेक्टेयर पटवार हलका सन्ताल की भूमि का मोका पर कब्जा काशन, रहवासी हागी, आवणतन के राफ्त के बिन्दु को ध्यान में रखते हुए पक्षकार को सहस्रमिलियन के पुनः बँटवारा कर रेकर्ड में अमरराम करे।</p> <p>पक्षकार अपने खर्च स्वयं वहन करे।</p> <p>पक्षकार के कोई आपवाही शेष नहीं होने के दौरान सुधार होकर वापिस वसूल हो शर्त मन्तर के कर ही।</p>	

02
आतेरिक्त जिला कलेक्टर
बालोतरा